समीक्षा

२०१०–२०११

हिमखाद्य उमंग कुमाँऊनी

महिला उमंग प्रौड्यूसर कम्पनी लिमिटेड

ग्राम नैनी, पोस्ट आफिस कालिका, रानीखेत, जिला–अल्मोडा

फोन न0 05966- 240430, 221516 Email umang@grassrootsindia.com

परिचय

महिला उमंग उत्पादक कम्पनी लिमिटेड महिलाओं का एक सामाजिक एवं व्यवसायिक संगठन है, जिसका पंजीकरण कम्पनी अधिनियम 1956 के तहत दिनांक 09 जनवरी 2009 को किया गया है।

उमंग का प्रमुख कार्यालय, ***हाउस ऑफ उमंग***, ज़िला अल्मोड़ा , रानीखेत के पास ग्राम नैनी में स्थित है।

उमंग एक कम्पनी ही नहीं बल्कि एक सपना है, एक विचार और जीने का एक अन्दाज़ है। उमंग का लक्ष्य पर्वतीय महिला उत्पादकों को आजीविका के अवसर प्रदान कर उनके जीवन में गुणात्मक सुधार लाना है।

इस संगठन की यात्रा सन् 2001 में ***पान हिमालयन ग्रासरुट्स डैवलपमेंट फाउण्डेशन*** के मार्गदर्शन में एक स्वयं सेवी संस्था – ***महिला उमंग समिति*** के रुप में आरम्भ हुई। जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों के चलते मध्य हिमालय क्षेत्र में गहरा रहे प्राकृतिक एवं मानवीय संकट के निदान हेतु ग्रासरुट्स कटिबद्ध है और 1992 से इस क्षेत्र में कार्यरत है।

सन् 2001 से स्वयं सहायता समूहों का गठन कर विभिन्न सामुदायिक, प्राकृतिक संरक्षण/सवर्धन एवं आजीविका विकास कार्यक्रमों द्वारा महिला उमंग समिति, पर्वतीय महिलाओं का सशक्तीकरण कर इस क्षेत्र में अनुकूल आर्थिक एवं सामुदायिक पृष्ठभूमि तैयार करने में सफल रही । आजीविका विकास कार्यक्रमों के आठ साल से सुचारु संचालन के परिणाम स्वरुप महिला उमंग समिति के सदस्यों ने आपसी विचार विमर्श द्वारा उमंग को स्वयं सेवी संस्था से बदलकर प्रोड्यूसर/उत्पादक कम्पनी करने का प्रस्ताव फरवरी 2008 में पारित किया।

उत्पादक कम्पनी का मुख्य उद्देश्य आजीविका कार्यक्रम को सामाजिक एंव आर्थिक रुप से कमजोर उत्पादक सदस्यों के हित को ध्यान में रखते हुए आगे बढाना हैं । सभी उत्पादक सदस्यों का कम्पनी पर समान हक बराबर सदस्यता शुल्क द्वारा सुनिश्चित किया गया है । कम्पनी की सभी व्यवसायिक गतिविधियां सीधे उत्पादक सदस्यों द्वारा नियंत्रित की जाती है तथा उत्पादक सदस्य ही कम्पनी की सम्पूर्ण चल– अचल सम्पति का मालिक हैं। उत्पादक कम्पनी का ढांचा यह सुनिश्चित करने में सहायक होता है कि बढते उत्पादन के साथ– साथ मुनाफे का अधिक से अधिक प्रतिशत सीधे उत्पादक सदस्य के पास पहुॅचें।

अगले दस वर्षो में उमंग का लक्ष्य 3000 उत्पादक सदस्यों को रु0 15,000 प्रति वर्ष की आय सुनिश्चित करना है। अपने लक्ष्य तक पहुचने के लिए उमंग उत्पादक संगठन पारदर्शिता , गुणवत्ता , स्वावलम्बन, मांग के अनुसार परिर्वतन एंव उचित व्यापार के **मूल सिद्धान्तो** पर सदा कार्यरत रहेगी।

अपने लक्ष्य एंव मूल सिद्धान्तों को ध्यान में रखते हुए उमंग उत्पादक संगठन ने फेयर ट्रेड / उचित व्यापार प्रमाणिकरण प्राप्त किया । यह सुनिश्चित करता है कि व्यवसायिक संस्था लैंगिक समानता , उचित मुल्य भुगतान , पर्यावरणीय सुरक्षा , बेहतर कार्य स्थिति एंव बाल मज़दूरी विरोधी मूल्यों के साथ – साथ आर्थिक रुप से पिछडे कामगारों को कार्य के अवसर प्रदान करती है । दिल्ली स्थित राष्ट्रीय गैर सरकारी संस्था ***फेयर ट्रेड फोरम – इंडिया (एफ0 टी0 एफ0– आई)*** ने उमंग महिला उत्पादक संगठन को उचित व्यापार मूल्यों पर खरा पाया और फेयर ट्रेड प्रमाण पत्र जारी किया।

समीक्षा वर्ष के दौरान आजीविका कार्यक्रमों को अल्मोडा , नैनीताल , बागेश्वर, जिले के 8 विकासखण्डो के लगभग 70 गॉवो में संचालित किया गया ।

उमंग आजिविका कार्यक्रम : एक झलक में

उमंग में प्रमुखतया चार व्यवसायिक इकाईयां/ आजीविका कार्यक्रम हैं जिनका व्यवसायिक विवरण निम्नलिखित है–

क्रम संख्या	कार्यक्रम का नाम	कुल लाभान्वित सदस्य	कुल उत्पादन		आय रू	बोनस रू	कुल आय रू
			मात्रा	रूपयों में			
1	बुनाई	723	8,864 पीस	44,69,444	10,19,000	90,000	11,09,000
2	फल संरक्षण	218	23,604 कि0	36,36,880	3,21,000	44,000	3,65,000
3	हिमखाद्य	213	12,900 कि0	13,75,128	3,62,000	42,000	4,04,000
4	शहद	27	10,290 कि0	20,62,569	9,25,000	24,000	9,49,000
	कुल	**1,181**		**1,15,44,021**	**26,27,000**	**2,00,000**	**28,27,000**

उपरोक्त 1181 लाभान्वित सदस्यों में से 122 सदस्यों ने एक से अधिक काग्रक्रमों में अपना योगदान दिया हैं।

उमंग विक्रय विवरण

क्रम	कार्यक्रम	ग्रौस बिक्री रू	नैट बिक्री रू	बिक्री में प्रति ईकाइ योगदान %
1	बुनाई	43,31,208	35,33,688	40
2	फल संरक्षण	35,74,940	24,19,178	28
3	हिमखाद्य	13,53,070	11,94,191	18
4	शहद	23,83,539	15,98,542	14
	कुल	**1,16,42,757**	**87,45,599**	**100**

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित स्रोतो के सहयोग से अपने उत्पादों की बिक्री की और इसके लिए वित्तीय वर्ष में रू0 1,25,000/– बिक्री कर के रूप में जमा किया।

क्रम सं0	स्रोत	नैट बिक्री रू0	नैट बिक्री %
1	हाउस ऑफ उमंग	22,30,080	26
2	हिमजोली	38,59,738	44
3	फैब इन्डीया	5,47,950	6
4	प्रदर्शनियां	5,42,950	6
5	अन्य रिटेल के माध्यम	15,64,881	18
	कुल	**87,45,599**	**100**

हिमजोली

हिमजोली एक सामाजिक मार्केटिंग कम्पनी हैं । उमंग ,चिराग, अवनी, आरोही और एपण हिमजोली के पॉच प्रमुख स्थापक सदस्य हैं। हिमजोली कुमॉऊ के ग्रामीण उद्योग को राष्ट्रीय स्तर पर बिक्री के अवसर प्रदान करने में सहायक सिद्ध हुई है।

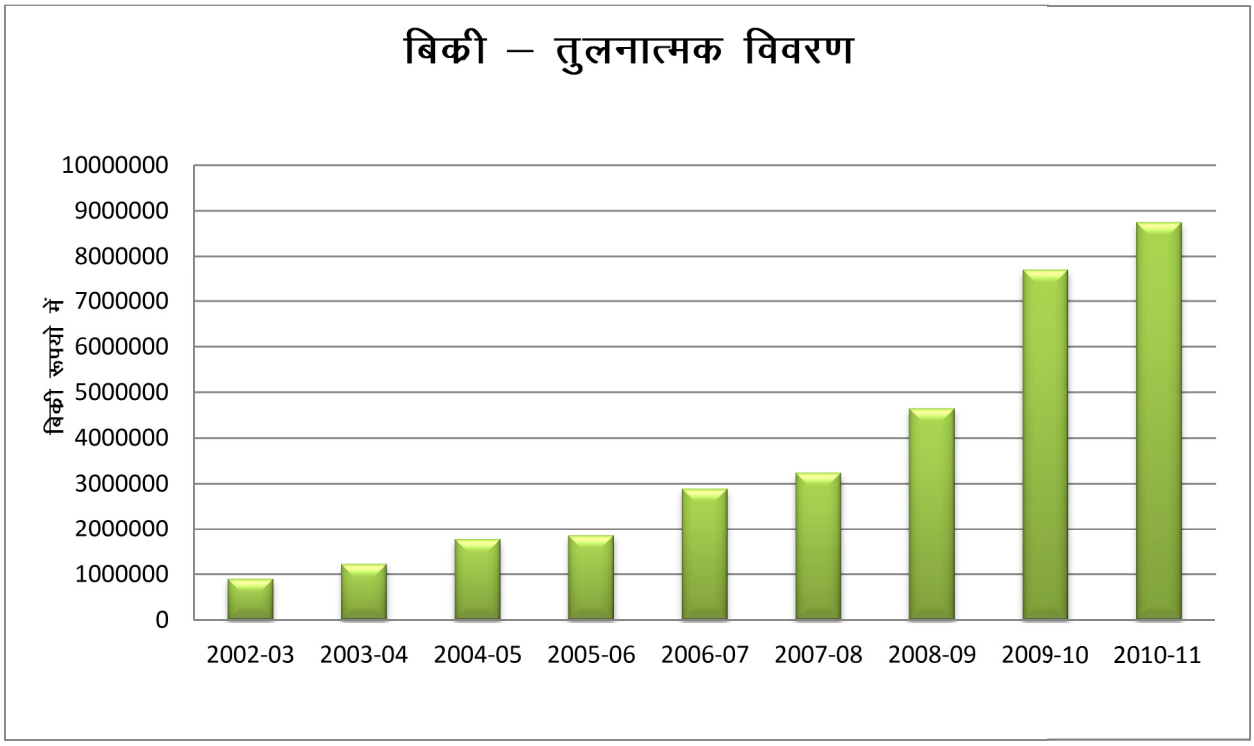

आजीविका विकास कार्यक्रम– विस्तृत विवरण

समीक्षा वर्ष के दौरान पूर्व संचालित आजीविका कार्यक्रमों को अधिक सुदृढ़ता प्रदान करने के साथ– साथ बाजार की मांग और उत्पादकों के हित को सोचते हुए कुछ नए प्रयास भी किये गये हैं।

बुनाई कार्यक्रम

बुनाई कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर 723 महिलाऐ हाथ के बुने उत्पादों का उपादन कर आजीविका के रूप में रू0 10,19,000 की अतिरिक्त आय अर्जित की। इसके साथ – साथ वित्तीय वर्ष में रू0 90,000 बोनस के रूप में वितरण किया गया जिससे प्रत्येक प्रतिभागी को अपने वार्षिक आय का 10 प्रतिशत अतिरिक्त लाभांश सृजित करने का मौका मिला। इस कार्यक्रम के तहत महिलाओं में आर्थिक स्वावलम्बिता का विकास हुआ है, जिससे उनमें आत्मनिर्भता आई है।

इस कार्यक्रम की विगत पॉच सालो की तुलनात्मक छवि निम्न प्रकार हैं –

बुनाई उत्पादन–

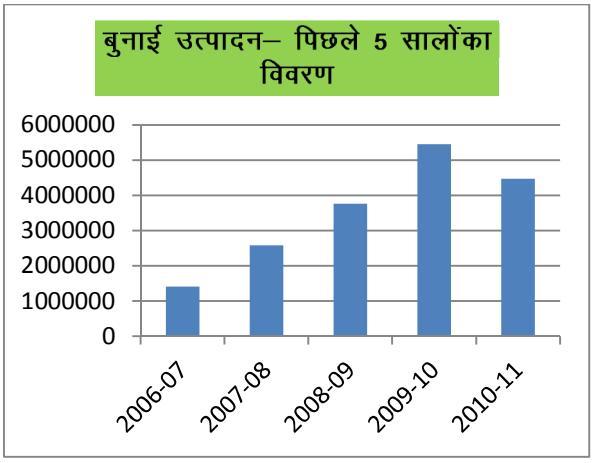

बुनाई बिक्री–

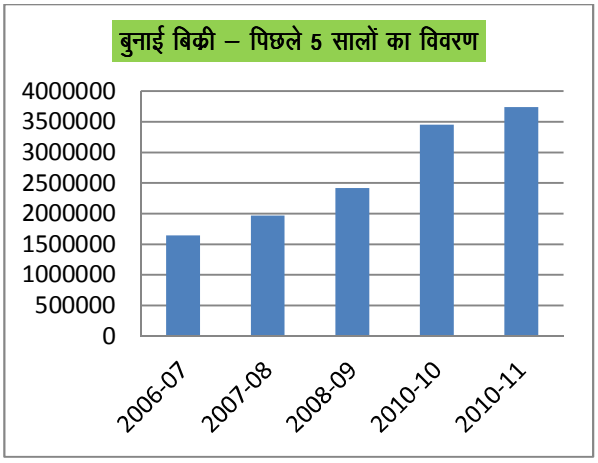

बुनाई वर्षवार का सदस्यों की कुल आय का विवरण –

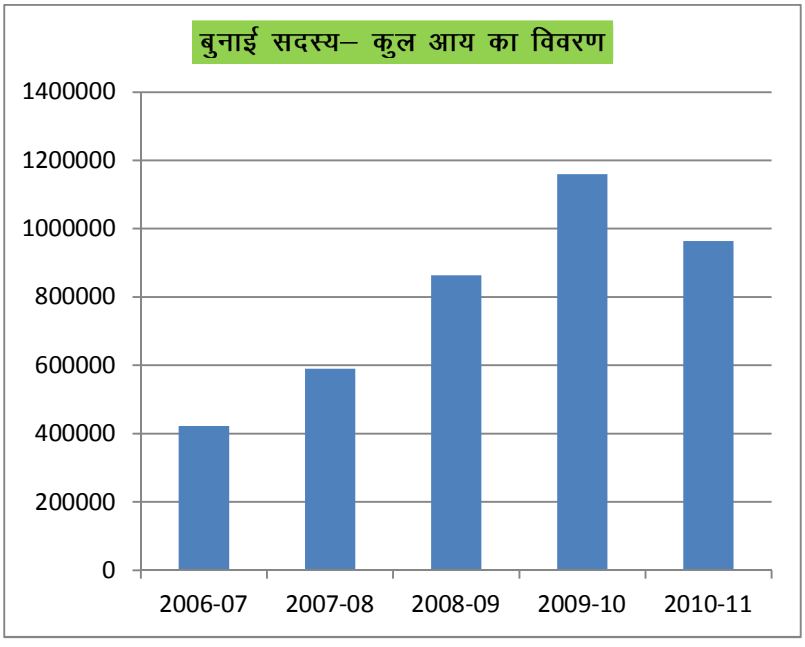

प्राकृतिक रंगों की छटा

उमंग के बुनाई उत्पादों की बाजार में बढती मांग और हमारे पर्यावरणीय दायित्वों को ध्यान में रखते हुए 2010 में बुनाई कार्यक्रम के अन्तर्गत उमंग में प्राकृतिक रंगों से ऊन और कपास को रंगने हेतु एक नई इकाई अन्तराष्ट्रीय संस्था एफ0 ए0 ओ0 और ग्रासरुटस् की सहायता से शुरु की गयी है। हिमालय के पेड पौधौ और फूलों, जैसे – गैदा, सेमल, सुरई, से लेकर काला बॉस जैसी जंगली धास के पत्तों से रंगे कई बेहतरीन ऊनी और कपास के उत्पाद इस वर्ष बाजार में उतार दिये गये हैं। जहां एक ओर इन प्राकृतिक रंगो की छटा हमारे बुनाई उत्पादों में देखते ही बनती है वहीं यह कार्यक्रमर्यावरण के अनुकूल है।

संरक्षित खाद्य एंव मौन पालन कार्यक्रम

कुमॉऊ क्षेत्र के आर्थिक विकास का आधार कृषि एंव बागवानी है। इसे मद्देनजर रखते हुये एक उचित उद्यम की स्थापना कर स्वंय सहायता समूह के माध्यम से कास्तकारों के उनके उत्पाद का उचित मूल्य प्रदान करने हेतु उमंग ने संरक्षित खाद्य कार्यक्रम की स्थापना की। इस कार्यक्रम को चलाने हेतु हमे भारत सरकार द्वारा नियंत्रित एफ0 पी0 ओ0 का लायसेन्स भी प्राप्त है। उमंग **कुमॉऊनी** ब्रॉड के नाम से बाजार मे निम्नलिखित उत्पादों को विक्रय कर कास्तकारों के आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में कार्यरत है।

इस वर्ष उमंग ने निम्नलिखित उत्पाद बनाये हैं–

अचार	नीबू, आम, लहसुन, हरी मिर्च , अदरक
चटनी	आम, प्लम, खुमानी,
जैम	प्लम, खुमानी, स्ट्रोबरी,
जैली	सेब, अमरुद
मार्मलेड	माल्टा
शहद	लीची, यूकेलिप्टस, जंगली फूल

फल संरक्षण कार्यक्रम को कुशलता प्रदान करने हेतु प्रशिक्षण के उपरान्त स्वयं सहायता समूहों का गठन कर 218 किसान परिवारों से रू0 3,21,000/– के उत्पादों का क्रय कर दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले उत्पादको को उचित मूल्य प्रदान

किया गया। इसके साथ–साथ वित्तीय वर्ष में रू0 44,000 बोनस के रूप में वितरण किया गया जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपने वार्षिक आय का 14 प्रतिशत अतिरिक्त लाभांश सृजित करने का मौका मिला।

पिछले पॉच सालों के संरक्षित खाद्य एंव मौन पालन कार्यक्रम के व्यापारिक विवरण पर नजर डालें तो पता चलता है की **कुमॉऊनी** उत्पादो ने अपनी अच्छी गुणवत्ता के चलते बाजार में मजबूत पकड़ बनाई हैं। फल स्वरुप इस कार्यक्रम से जूड़े कास्कारों को भी उचित लाभ हुआ हैं।

इस कार्यक्रम की विगत पॉच सालो की तुलनात्मक छवि निम्न प्रकार हैं –

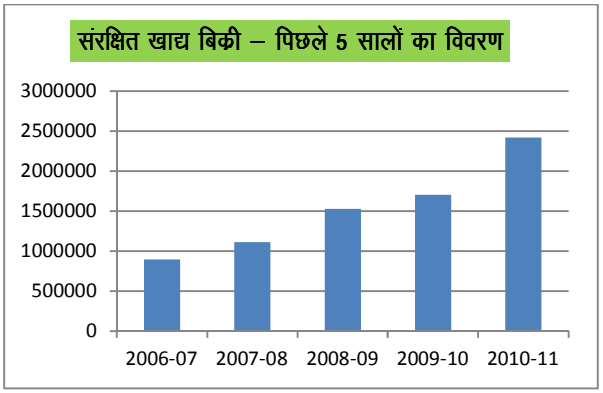

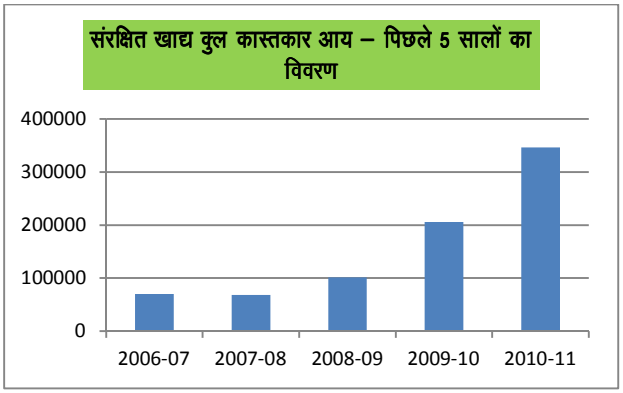

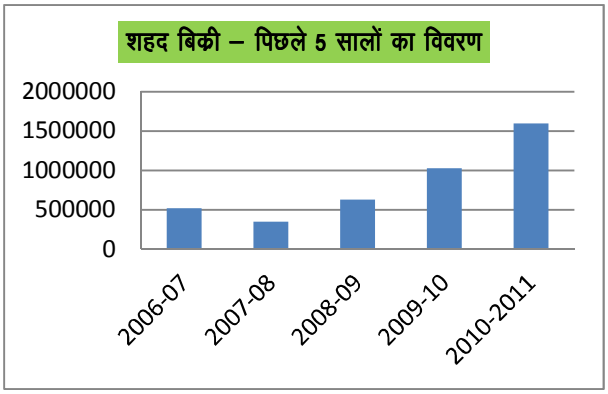

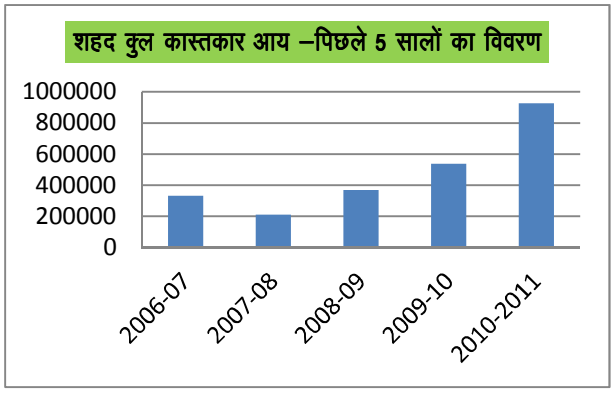

निशा परवीन

मेरा नाम निशा परवीन है और मैं रानीखेत कि निवासी हूँ। जब मै बी0 ए0 प्रथम वर्ष में थी तो मेरे पिताजी की बीमारी के चलते परिवार की जिम्मेदारी धर की बडी लडकी होने के नाते मुझ पर आ गयी । परिवार बहुत बडा है , चुनौती गहरी थी और मेहनत मेरा एक ही हथियार था। ऐसे में उमंग मेरे जीवन मे हिम्मत और आत्मविश्वास की नयी रोशनी बनकर आई। मैने 12 वर्ष पूर्व उमंग मे शुरुआत सिलाई बुनाई कार्यक्रम से की । उमंग से जुडने के बाद मुझ में आत्मविश्वास आया और मेरी लगन को देखते हुए मुझे सिलाई बुनाई ट्रेनर , मुर्गी वितरण इन्चार्ज आदि नेतृत्व और जिम्मेदारी के अवसर दिये गये। पिछले पॉच सालो से मे उमंग फूड प्रोसेसिगं युनिट की इन्चार्ज हूँ। आज मेरे साथ तीन बहने और तीन भतीजे भतिजी रहते हैं। उमंग से जुड कर उनके पालन पोषण और पढ़ाई के साथ – साथ पक्का धर भी बना रही हूँ आज मैं एक आत्मनिर्भर , साकारात्मक महिला हूँ और अपने परिवार के भरण पोषण में पूर्ण रुप से सक्षम हूँ।

अधिक से अधिक कास्तकारों को आजीविका एंव खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से उमंग द्वारा सन् 2006 से अतिरिक्त फसलों के क्रय – विक्रय के कार्यक्रम को प्रोत्साहन दिया गया। हमारा मुख्य उद्देश्य जहॉ एक ओर वर्षा आधारित लुप्त हो रही पारम्परिक फसलों को बढ़ाना हैं वही दुसरी ओर स्वास्थय को ध्यान में रखते हुए उचित मुल्यों पर बाजार में जैविक खाद्य सामाग्री को उपलब्ध कराना है। इन उत्पादों को उमंग **हिमखाद्य** के नाम से बेचता है। कार्यक्रम के पिछले पॉच सालों के परिणाम उत्साहजनक रहे हैं।

हमारे उत्तराखण्ड के अधिकांश भागों में खेती पारम्परिक रुप से जैविक रही है। उमंग अपने पर्यावरणीय सुरक्षा के प्रति वचनबद्धत्ता , स्वास्थय के दृष्टिकोण एंव पवर्तीय खेती के सतत्ता को ध्यान में रखते हुए अपने कास्तकार उत्पादक सदस्यों के बीच ***जैविक सहभागी प्रमाणिकरण योजना*** को प्रोत्साहन दे रही है । 2010–2011 में दोसाद क्षेत्र के 45 कास्तकार समूह (480 कास्तकार) इस योजना के अर्न्तगत प्रमाणित किये गये है।

समीक्षा वर्ष के दौरान स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से 213 किसानो ने अपने विभिन्न उत्पादों को विक्रय कर रू0 3,62,000/– की आय अर्जित की। बाजार भाव की प्राप्ति के साथ–साथ उपरोक्त किसानों को वित्तीय वर्ष में रू0 42,000 बोनस के रूप में वितरण किया गया , जिससे प्रत्येक उत्पादक को अपने वार्षिक आय का 12 प्रतिशत अतिरिक्त लाभांश सृजित करने का मौका मिला।

समीक्षा वर्ष के दौरान पारम्परिक फसलों के साथ–साथ बाजारी व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए कुछ कास्तकारो द्वारा स्ट्रैबेरी , और केमोमाईल चाय की खेती का प्रयास किया गया। ये दोनों फसलों के परिणाम अति उत्साह जनक रहे ।

मुर्गी पालन

उंमग द्वारा उपरोक्त आजीविका विकास कार्यक्रम के साथ.साथ आय अर्जित करने के अन्य साधनो को बढ़ावा देने के लिये लघु रूप से मुर्गी पालन करने हेतु अल्मोड़ा , नैनीताल एवं बागेश्वर जिले के 173 परिवार समीक्षा वर्ष में भी अन्य वर्षो की भॉति इस कार्यक्रम से लाभावित हुंए। समीक्षा वर्ष के दौरान इन कास्तकारों को 1400 मुर्गी के बच्चो का वितरण किया गया। इस परियोजना द्वारा एक परिवार की औसतन वार्षिक आय रू. 2,500 हो जाती है इसके अलावा चर्चा के उपरान्त यह ज्ञात हुआ है कि बच्चों के पोषण में अण्डों के उपभोग से सुधार आया है। अन्य वर्षो की भॉति इस वर्ष इस कार्यक्रम में अपेक्षा अनुसार प्रगति नही हो पायी।

धरेलु पर्यटन

उमंग द्वारा ग्रासरूटस के गठबन्धन में आय बढ.ाने हेतु घरेलु पर्यटन को पिछले चार वर्षो से प्रोत्साहित किया जा रहा है। जिसमें प्रमुख रुप सें विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थी ग्रामीण परिवारों के साथ रहकर ग्रामीण परिवेश की वास्तविकता से परिचित होते हैं। उमंग द्वारा इस कार्यक्रम को तीन गॉवों के 18 परिवारों में चलाया गया, जिससे उक्त परिवारों ने 1500 रुपयें से 60,000 रुपय तक की अतिरिक्त आय अर्जित की। समीक्षा वर्ष के दौरान 18 परिवारों द्वारा कुल रु0 2,41,000 की अतिरिक्त आय अर्जित की गयी।

महिला स्वंय सहायता समूह – उमंग उत्पादक संगठन

- समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग द्वारा 9 गॉवों में 13 स्वंय सहायता समूहों का गठन कर 171 महिलाओं द्वारा सदस्यता ग्रहण की गयी जो अपनी सुविधा अनुसार प्रति माह 20 से 200 रुपये तक जमा करती हैं।
- संचित रुप से पिछले दस वर्षो में कुल 187 स्वयं सहायता समूहों का गठन किया गया है जिनमें कुल 2651 महिला सदस्य है।
- समीक्षा वर्ष के अन्त में इन समूहों के कोष में रू0 45,34,631 जमा है , जिस पर समूहों को रू0 1,41,552/– ब्याज के रूप में बैंक से प्राप्त हुआ हैं। इस वर्ष 376 महिला सदस्यों ने कुल रू0 22,87,700 इस जमा राशि से ऋण लिया है , इस ऋण पर समूहो ने कुल रू0 1,97,531/– ब्याज के रूप में अर्जित किया हैं। इस ऋण का उपयोग महिलाओं ने अपने बच्चों की शिक्षा ,मकान ,शौचालय बनाने , बीमारी, गाय–भैंस खरीदने एंव विवाह आदि कार्यों को करने हेतु किया । सभी महिलाओं ने समय पर ऋण वापस किया है। इन महिलाओं की नियमित रुप से पैसा जमा करने की अच्छी आदत बन गयी है।
- समीक्षा वर्ष के दौरान उमंग ने अपने आयवर्धन कार्यक्रमों के संचालन हेतु समूहो के इस जमा कोष से रू0 2,75,000 ऋण प्राप्त किया जिसके लिए उमंग द्वारा समूहो को रू0 21,500 ब्याज के रूप में भुगतान किया गया।
- बचत एंव ऋण के साथ–साथ 98 स्वंय सहायता समूह (52 प्रतिशत) के 1450 सदस्य (55 प्रतिशत) उमंग के आयवर्धन कार्यक्रमों में सहभागिता निभा रहे है।

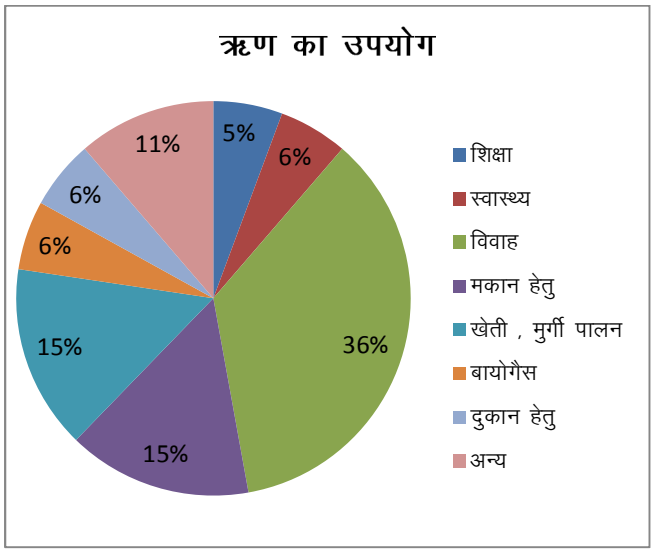

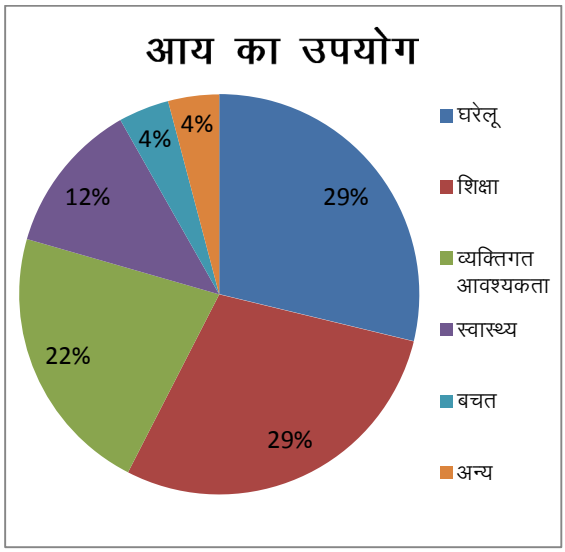

क्षमता वृद्धि कार्यक्रम–

अपने सामाजिक एंव व्यवसायिक लक्ष्य की पुर्ति के लिए उमंग अपने संगठन से जुडी महिलाओं की क्षमता वृद्धि के लिए वचन बद्ध हैं। समिक्षा वर्ष के दौरान कई क्षमता वृद्धि काय्रक्रमों का आयोजन किया गया जिनमें निम्नलिखित उल्लेखनीय हैं–

स्वंय सहायता समूह समीक्षा कार्यशालाऐं – मल्यागाड और सोमेश्वर धाटी के 16 गॉवों के कुल 21 समूहों की क्षमता वृद्धि के लिए चार कार्यशालाओं का आयोजन किया गया एवं सभी समूहों के उचित संचालन हेतु उमंग द्वारा उनकी समीक्षा एवं अंकेक्षण भी किया गया।

व्यवसायिक कार्य प्रणाली शिक्षा हेतु कार्यशाला –उत्पादक कम्पनी के मापदण्डों को समझने एंव उमंग के अगले 10 साल के लक्ष्य पर चर्चा करने हेतु हैदराबाद स्थित ए0 एल0 सी0 कम्पनी की सहायता से उमंग के कार्यकर्ताओं और सदस्यों के लिए चार श्रृंखलीय कार्यशालाओं का आयोजन उमंग के नैनी स्थित प्रमुख कार्यालय में किया गया, साथ ही बोर्ड सदस्यों को सफल व्यवसाय का साक्ष्य उदाहरण देखने और समझने के लिए आंध्रप्रदेश स्थित मुल्कनूर जिले की कोओपरेटिव ईकाइयों का भ्रमण का आयोजन किया गया।

कार्यकताओं एंव सदस्यों के कार्यो में निपुणता लाने हेतु डिजायन वर्कशाप एवं विभिन्न विषय विशषज्ञों के सहयोग से कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

उमंग के उपरोक्त सभी कार्यक्रमों का संचालन स्थानीय 15 निपुण कार्यकर्ताओं द्वारा निदेशक मण्डल के मार्गदर्शन में किया गया इसके लिए कार्यकर्ताओं द्वारा रू0 9,57,000 की आय अर्जित की। फल संरक्षण एवं हिमखाद्य के उत्पादो के उत्पादन के लिए स्थानीय बेरोजगार महिलाओं की एक टीम को 3400 मानवदिवस का रोजगार प्राप्त हुआ जिससे उन्होने रू0 2,88,000 की आय अर्जित की।

संक्षिप्त रूप में समीक्षा वर्ष के दौरान उद्यमिता के विकास में उमंग एक उत्प्रेरक की भूमिका निभाने में सक्षम रही एवं परिणाम स्वरूप क्षेत्र के लगभग 1200 परिवारों ने रू0 39,53,000 की निरन्तर पूरक आय अर्जित कर कुमाऊॅ के ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास में अपना योगदान दिया।

इंडियन मर्चेन्ट्स चेम्बर लेडीज विंग – जानकी देवी बजाज पुरस्कार 2010

समीक्षा वर्ष के दौरान महिला उमंग प्रौड्यूसर कम्पनी लि0 के अध्यक्ष को ग्रामीण उद्यमशीलता की दिशा में योगदान के लिए यह पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसके लिए इंडियन मर्चेन्ट्स चेम्बर लेडीज विंग के पर्यवेक्षको द्वारा एक सर्वे किया गया जिसके आधार पर उनका कहना हें कि .....

उत्तराखण्ड के अल्मोडा जिले में महिला उमंग प्रोड्यूसर कम्पनी लि0 जो ग्रामीण विकास के विभिन्न पहलुओं को छू कर सामाजिक एवं आर्थिक बदलाव की गति को तेज कर रहा हैं।

उद्यमिता की भावना जो विभिन्न गतिविधियों में परिलक्षित होती हैं जिनमें उद्यमशीलता ,शिक्षा ,स्वास्थ्य , सामाजिक समानता , तकनीकि एवं पर्यावरणीय सरोकारों के क्षेत्रों में महिलाओं के सशक्तिकरण पर विशेष जोर दे रहा हैं।

उद्यमिता के विकास में उमंग एक उत्प्रेरक की भूमिका निभा रहा हैं , परिणाम स्वरूप 187 स्वयं सहायता समूहो की 2650 महिला उत्पादक और किसानों का एक सशक्त समुदाय बनकर तैयार हुआ हैं।

दूरस्थ पहाडी भूभागों में रहने वाली महिला उत्पादको के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के प्रथक प्रयास किए। ग्रामीण महिलाओं को सूक्ष्म उद्यम स्थापित करने में मदद मिली और वे निरन्तर पूरक आय प्राप्त करने में सक्षम हुई।

उमंग ने अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में तंत्र स्थापित कर महिला उमंग प्रौड्यूसर कम्पनी का गठन किया जो पर्यावरण , न्याय एवं अर्थव्यवस्था के सिद्वान्तों पर आधारित हैं।

कुमाऊॅ के गगास नदी की घाटी में स्थित गॉवों के ग्रामीण अर्थव्यवस्था के विकास की दिशा में उमंग उत्पादको और उद्यमियों के साथ आगे बढने के लिए निरन्तर प्रयास करेगा , जो कि सराहनीय है इस कार्य हेतु इंडियन मर्चेन्ट्स चेम्बर लेडीज विंग , मुम्बई वर्ष 2010 का जानकी देवी बजाज पुरस्कार के लिए उमंग को नामित करती हैं।

आभार

महिला उमंग प्रौड्यूसर कम्पनी की दुसरी वार्षिक पत्रिका का समापन करते हुये हम अपने सभी ग्राहको ,मित्रों एवं शुभचिन्तकों, वित्तीय संस्थाओं, सरकारी एवं संस्थागत सहयोगियो, फल एवं खाद्य संरक्षण अधिकारियों, हमारे द्वारा उत्पादित समान के सभी विक्रेता, समस्त उत्पादक महिलाओं एंव कास्तकारों का आभार प्रकट करते है।

पान हिमालयन ग्रासरूटस डेवलपमेन्ट फाउन्डेशन, कुमाऊॅ कारीगर समिति का हम आभार प्रकट करते है जिनके तकनीकि मार्गदर्शन, क्षमता वृद्वि व वित्तीय सहायता द्वारा इस समीक्षा वर्ष में हमने उपरोक्त कार्यक्रमों का संचालन किया।

आजीविका कार्यकमो के अर्न्तगत प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त सदस्यो की सूची

विवरण	श्रेणी	महिला का नाम	समूह का नाम	उत्पाद से आय रू0	बोनस से आय रू0	कुल आय रू0
बुनाई	प्रथम	भावना सती	ज्योति समूह (मालरोड)	23,325	2,214	25,539
	द्वितीय	माया खरकवाल	उत्साह समूह (कौसानी)	11,280	1,071	12,351
	तृतीय	बसन्ती पवार	निरन्तर समूह (रायस्टेट)	9,710	922	10,632
हिमखाद्य	प्रथम	तारा देवी	नवनीत समूह (बरगला)	6,317	733	7,050
	द्वितीय	गंगा देवी	नव विकास समूह (दरमाड)	5,794	673	6,467
	तृतीय	आशा सती	नवनीत समूह (तल्ला नौगॉव)	4,744	551	5,295
फल संरक्षण	प्रथम	जानकी बेलवाल	लक्ष्मी समूह (भडगॉव)	7,575	1,038	8,613
	द्वितीय	चम्पा देवी	लक्ष्मी समूह (भडगॉव)	7,492	1,027	8,519
	तृतीय	हेमा बेलवाल	लक्ष्मी समूह (भडगॉव)	7,283	998	8,281
शहद	प्रथम	क मीर चन्द्र	मैलीफेरा	1,56,825	4,067	1,60,892
	द्वितीय	कामनी जोशी	हल्द्वानी	89,091	2,311	91,401
	तृतीय	भजन सिह	मैलीफेरा	34,085	884	34,969

निदेशक मण्डल

श्रीमती अनीता पॉल (चेयर पर्सन)

श्रीमती सुनीता आर्या (कार्यकारी निदेशक)

श्रीमती मीना अधिकारी

श्रीमती बसन्ती पवार

श्रीमती इन्दिरा रावत